दैनिक योजना

इकाई: एक पाठः बादल दानी

सीखने का प्रतिफल :-

आशय समझकर दृश्याभास करता हैं।
तुकांत शब्दावली पंक्तियों को चुनकर लिखता है।
कवितांश के साथ आशय, ताल तथा तुकांत शब्दयुक्त पंक्तियाँ जोड़ता है।
पीछे स्तरवाले बच्चों केलिए सरल रूप में देती हैं।

आशय / अवधारणा :-

तुकांत तथा आलंकारिक शब्द बालगीतों का सौंदर्य बढाते हैं।
कवितांश में आशय, ताल तथा तुकांत शब्दयुक्त पंक्तियाँ जोड़ सकते हैं।
मूल्य और मनोभावःपानी अमूल्य है।

समय :-

सामग्री :- कविता चार्ट

टीचर पूछती हैं।

बादल दानी कविता कैसी है? यह गीत कौन गाता होगा ?
कहाँ खड़े होकर गाता होगा?
वहाँ कौन-कौन होंगे? वहाँ और क्या-क्या होंगे ?
क्या, आप लोग इन बातों के आधार पर इस बालगीत का दृश्याभास कर सकते हैं ?
प्रत्येक दल को दृश्याभास की तैयारी करने केलिए पर्याप्त समय देता है।
पात्रों का चयन जैसे मेंढक, बंदर, पेड़, फूल आदि के स्थान, पात्रों का हाव भाव, क्रिया कलाप आदि के निर्धारण में दलों की मदद करती हैं।
प्रत्येक दल को प्रस्तुत करने का अवसर देता है।
प्रत्येक दल की प्रस्तुति का आकलन बाकी दल करते हैं।

पाठ्य पुस्तक का पन्ना १३ की पंक्तियों पर ध्यान देने का निर्देश देता है।

" चम चम चमकी बिजली रानी
उठी गगन में घटा सुहानी "

पूछता है, इन पंक्तियों की क्या विशेषता है ?
रेखांकित शब्दों में क्या समानता है ?
ऐसी पंक्तियों को चुनकर लिखने का निर्देश देता है।
पाठ्य पुस्तक का पन्ना १४ लेने का निर्देश देता है।

" बारिश का मौसम है आया,
हम बच्चों के मन को भाया।"

पंक्तियाँ पढने का निर्देश देता है। ये पंक्तियाँ गाकर बार-बार सुनाती हैं। छात्र कविता के ताल से परिचित हो जाते हैं।

टीचर पूछती हैं।

ये पंक्तियाँ किसके बारे में हैं ?
क्या, बारिश सिर्फ मानव को ही खुश करती है ?
बारिश और किन-किन को खुश करती है ?
बच्चों की प्रतिक्रियाओं को सूचीबद्ध करती है। (पद सूर्य की सहायता से)
पेड़-पौधे (पत्ते, फूल...) पशु-पक्षी (मोर, कोयल.....)
उनकी सहायता से पंक्तियाँ जोडने का निर्देश देती हैं। (वैयक्तिक रूप से)

स्व-आकलन

टीचर की प्रस्तुति

बारिश

बारिश का मौसम है आया,
हम बच्चों के मन को भाया।
उमड़ उमड़ के बादल आया,
खूब झमाझम पानी लाया।
ताल तलैया भर-भर आया,
मेंढक ने भी ताल बजाया ।
हरा धान खेतों में पाया,
मोर ने भी नाच दिखाया।

टीचर कहती हैं।

इस कविता में रेखांकित शब्दों में 'आया', 'भाया' शब्दों में 'या' ध्वनि की आवृत्ति है। इसप्रकार समान ध्वनि में समाप्त होनेवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखिए।

टीचर इस कविता से समान ध्वनि में समाप्त होनेवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखने का निर्देश देती हैं।

बारिश का मौसम

बारिश का मौसम है आया,
हम बच्चों के मन को भाया।
हम बच्चों ने नाव बनायी,
पानी में उसको लाया ।
उसमें एक मछली आयी,
एक मेंढक भी तो साथ आया।
उन्हें देख खुशी आयी,
बारिश ने इन्हें नहलाया।

सरिता टीचर, जी.एच.एस.एस, मूतेडत,मलप्पुरम

बादल राजा

बादल राजा, बादल राजा।
जल्दी से पानी बरसा जा
नन्हे मुन्ने झुलस रहे हैं।
धरती की तू प्यास बुझा जा
जल्दी से पानी बरसा जा

पीछे स्तरवाले सब बच्चों को दृश्याभास करने का मौका देती हैं।
समान ध्वनि में समाप्त होनेवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखने केलिए उन्हें अधिक मदद देती हैं। छात्र पंक्तियाँ जोडते समय पीछे स्तरवाले बच्चों को बारिश से संबधित कुछ शब्द पढाती हैं।

जैसे :-

बा बा बादल, बि बि बिजली
गर गर गरजा, चम चम चमकी
बादल गरजा, बिजली चमकी
का का काला, काला बादल
बर बर बरसा, पानी बरसा
चल चल चली, हवा चली

ये शब्द ताल से पढाते तो छात्र तत्परता से पढ़ते हैं।
उसके बाद यह सरल कविता देती हैं।

पानी बरसा

काले- काले बादल आए
पानी लेकर बादल आए।
बादल गरजा गड़-गड़ गड़-गड़
बिजली चमकी चम चम चम चम ।
हवा चली सन-सन, सन-सन
पानी बरसा रिमझिम रिमझिम ।